नेपोलियन के महाद्वीपीय व्यवस्था की विफलता के कारण

For:UG. Part-2,Paper-4

नेपोलियन की महाद्वीपीय योजना प्रारंभ में कुछ हद तक सफल हुई परंतु यह धीरे-धीरे असफल प्रतीत होने लगी।इसके निम्नलिखित कारण थे :

1. नेपोलियन ने इस व्यवस्था को जब लागू किया यूरोप उसके प्रभाव क्षेत्र में था किंतु वह भूल गया कि ब्रिटेन के अपने अनेक उपनिवेश थे जिससे उसके माल का यूरोप में आगमन पर प्रतिबंध कोई महत्व नहीं रखता था। ब्रिटेन अपने उपनिवेशों से कच्चा माल मंगाता और तैयार माल बेचता था। अतः जब तक उसके दुनिया भर में फैले उपनिवेशों पर प्रतिबंध न लगा दिया जाता तब तक इस व्यवस्था के सफल होने की आशा करना व्यर्थ होता।
2. जहाजी बेड़े के अभाव में हजारों मील लंबे समुद्र तट की रक्षा करना फ्रांस के लिए असंभव था।
3. फ्रांस के पास इतना अधिक शक्तिशाली जहाजी बेड़ा नहीं था कि वह खुले समुद्र में जहाजों को पकड़ सके। बिना वृहद सेना के विस्तृत सीमा पर माल को यूरोप में आने से रोकना भी संभव नहीं था।
4. यह एक असंभव योजना थी। प्रत्येक देश से यह आशा करना व्यर्थ था कि भारी कष्ट उठाते हुए वह इस योजना का पालन करता रहेगा। नेपोलियन के राज्यों ने इस योजना को विवशतावश

Scanned with CamScanner

स्वीकार किया था और अवसर मिलते ही उन्होंने इस योजना का परित्याग कर दिया। सारे यूरोप में इंग्लैंड से आने वाले माल के लिए चोर बाजारी और तस्करी होने लगी। नेपोलियन ने इस योजना को स्वीकार कराने के लिए अनेक देशों से युद्ध किए फलतः वे सभी देश उसके कट्टर शत्रु हो गए।

5. इंग्लैंड में अन्न का अभाव था परंतु नेपोलियन उसके धन को कम करने के लिए बराबर भारी मूल्य पर अन्न भेजता रहा। यदि इंग्लैंड में अन्न न पहुंचता तो राष्ट्र भूखा मरने लगता और विवश होकर संभवत वह फ्रांस के साथ संधि के लिए तैयार हो जाता ।
6. नेपोलियन ने महाद्वीपीय व्यवस्था की घोषणा करते हुए कहा था कि यदि यूरोपीय देश इंग्लैंड की समुद्री निरंकुशता से बचना चाहते हैं तो संपूर्ण यूरोप को अस्थाई रूप से कष्ट सहना पड़ेगा ।जब नेपोलियन स्वयं कुछ चीजों के व्यापार का लाइसेंस देने लगा और चुंगी लगाने लगा तो स्पष्ट हो गया कि परेशानी केवल यूरोप को उठानी है न कि फ्रांस को। नेपोलियन के वाणिज्यिक नियंत्रण के प्रति तुर्की, पुर्तगाल, स्पेन, रूस, हॉलेंड में विरोध प्रदर्शन होने लगे, धीरे-धीरे इन देशों ने इंग्लैंड से अपने संबंध विकसित किए।
7. नेपोलियन का विचार था कि आर्थिक प्रतिबंध से फ्रांस के उद्योगों का विकास होगा और यूरोप की आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी किंतु कम समय में उद्योगों का विकास होना भी संभव नहीं था। इसके अलावा फ्रांस का जो भी माल यूरोप के बाजारों में जाता व निम्न कोटि का तथा महंगा होता था।

Scanned with CamScanner

8. इस योजना को स्वीकार कराने के लिए नेपोलियन अनेक देशों से युद्ध किए ।इन देशों में हॉलैंड, स्पेन तथा रूस आदि के नाम उल्लेखनीय है। इसी योजना के अस्वीकार करने पर नेपोलियन का पोप से झगड़ा हो गया था। फलत: ये सब देश नेपोलियन के कट्टर शत्रु हो गए।
9. पुर्तगाल तथा स्पेन ने इस योजना को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने इंग्लैंड को अपना सहयोग प्रदान किया ।अंग्रेजी जहाज पुर्तगाल के बंदरगाह पर सामान छोड़ जाते थे। वहां से वह सामान स्थल मार्ग से डेन्यूब नदी की घाटी से होता हुआ मध्य यूरोप तक पहुंचा दिया जाता था।
10. भ्रष्ट अधिकारियों के कारण भी यूरोप में अतुल मात्रा में अवैध रूप से माल आता रहा जिससे इसकी असफलता और भी निश्चित हो गई।
11. नेपोलियन की योजना अव्यावहारिक थी। यूरोप के उसने कई मांगों को पूरा करने की कोशिश की परंतु चमड़े के जूते, गर्म कोट, चीनी चाय, कहवा आदि के लिए उसे इंग्लैंड पर ही निर्भर रहना पड़ा। इसी अव्यावहारिक योजना को सफल बनाने में वह यूरोपीय युद्धों में वह इतना फस गया कि उसका वास्तविक लक्ष्य छूट गया।
12. महाद्वीपीय व्यवस्था के परिणामों से ब्रिटेन को प्रभावित करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता थी । अल्प समय में इंग्लैंड के व्यापार पर इसका कोई प्रभाव नहीं हो सकता था जब

Scanned with CamScanner

तक कि इंग्लैंड के सुरक्षित स्रोत समाप्त ना हो जाते। नेपोलियन तानाशाह बनकर किसी भी नियम को अपने देश में लागू कर सकता था किंतु दूसरे देशों पर ऐसे नियम को लागू करने के लिए अधिक समय तक दबाव बनाना संभव नहीं था।

वस्तुतः इस महाद्वीपीय व्यवस्था के लागू होने के बाद प्रशा, रूस और स्पेन से होने वाले युद्ध ने इस व्यवस्था को पूर्णता विफल कर दिया। इस योजना द्वारा यूरोप के लोग ही नेपोलियन के विरोध में खड़े नहीं हुए बल्कि उसने फ्रांस के मध्यम वर्ग का भी सहयोग खो दिया जिसने उसे शक्ति प्रदान की थी। निष्कर्षतः उसकी यह योजना असफल रही और अंत में उसके पतन का प्रमुख कारण बनी।

To be continued....

BY: ARUN KUMAR RAI
Asst.Professor
P.G. Dept.of History,
Maharaja College,Ara.

Scanned with CamScanner